साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम

मई 2024-मार्च 2025

कक्षा-11

कला संकाय

एकीकृत शैक्षणिक कैलेंडर 2024 के साथ समन्वित

सम्बंधित दस्तावेज एवं शैक्षणिक सामग्री के लिए QR कोड को SCAN करें।

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम

2024-25

कक्षा - 11

कला संकाय

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

भूगोल

माह	सप्ताह	पाठ	पाठ के उपखंड
मई (17 दिन) एवं जून (16 दिन)	मई – पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा एवं पांचवां (17 दिन)	अध्याय 1. भूगोल एक विषय के रूप में	• परिचय • भूगोल की प्रकृति एवं परिभाषा • भूगोल एक समाकलन विषय के रूप में • भूगोल की शाखाएं • भौतिक भूगोल एवं इसका महत्व • अभ्यास
		अध्याय 2. पृथ्वी की उत्पति एवं विकास	• परिचय • आरम्भिक सिद्धांत एवं आधुनिक सिद्धांत • तारों का निर्माण • ग्रहों का निर्माण • पृथ्वी का उद्भव • स्थलमण्डल का विकास • वायुमण्डल एवं जलमण्डल का विकास • जीवन की उत्पति
	जून – पहला, दूसरा एवं तीसरा (6 दिन)	प्रायोगिक कार्य – अध्याय 1. मानचित्र का परिचय	• मानचित्र का परिचय • मानचित्र बनाने की अनिवार्यता • मानचित्रण का इतिहास • मापनी पर आधारित मानचित्र के प्रकार • प्रकार्य के आधार पर मानचित्र के प्रकार • मानचित्रों का उपयोग • अभ्यास
	जून – चौथा एवं पांचवा (10 दिन)	अध्याय 3. पृथ्वी की आतंरिक संरचना	• परिचय • भूगर्भ की जानकारी के साधन • भूकम्प • भूकम्पीय तरंगे • भूकम्प के प्रभाव • पृथ्वी की संरचना • ज्वालामुखी एवं ज्वालामुखी निर्मित स्थलरूप
		अध्याय 4. महासागरों और महाद्वीपों का वितरण	• परिचय • महाद्वीपीय प्रवाह, महाद्वीपीय प्रवाह के पक्ष में प्रमाण एवं प्रवाह सम्बन्धी बल • संवहन धारा सिद्धांत • महासागरीय अधस्तल की बनावट ,भूकम्प एवं ज्वालामुख्यिों का वितरण एवं सागरीय अधस्तल का विस्तार • प्लेट विवर्तनिकी • प्लेट प्रवाह दरें • प्लेट को संचालित करने वाले बल एवं भारतीय प्लेट का संचलन • अभ्यास

भूगोल

माह	सप्ताह	पाठ	पाठ के उपखंड
जुलाई (25 दिन)	पहला (6 दिन)	अध्याय 5. भू आकृतिक प्रक्रियाएं	• परिचय • भू आकृतिक प्रक्रियाएं– अंतर्जनित एवं बहिर्जनिक प्रक्रियाएं • अंतर्जनित प्रक्रियाएं – पटलविरूपण एवं ज्वालामुखियता • बहिर्जनिक प्रक्रियाएं • अपक्षय • वृहत संचलन एवं भूस्खलन • अपरदन एवं निक्षेपण • मृदा निर्माण एवं मृदा निर्माण के कारक • अभ्यास
	दूसरा (6 दिन)	अध्याय 6. भू आकृतियॉ तथा उनका विकास	• परिचय • प्रवाहित जल • प्रवाहित जल– अपरदित एवं निक्षेपित स्थलरूप • भौम जल – अपरदित एवं निक्षेपित स्थलरूप • हिमनद – अपरदित एवं निक्षेपित स्थलरूप • तरंग व धाराएं –अपरदित एवं निक्षेपित स्थलरूप • पवनें –अपरदित एवं निक्षेपित स्थलरूप • अभ्यास[६]
	तीसरा, चौथा एवं पांचवां (13 दिन)	प्रायोगिक कार्य – अध्याय 2. मानचित्र मापनी	• परिचय • मापनी क्या है • मापनी व्यक्त करने की विधियॉ • मापनी का रूपांतरण • अभ्यास[६]
		अध्याय 7. वायुमण्डल का संघटन एवं संरचना	• परिचय • वायुमंडल का संगटन • वायुमंडल की संरचना • अभ्यास
अगस्त (24 दिन)	पहला एवं दूसरा (9 दिन)	अध्याय 8. सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान	• परिचय • सौर विकिरण • पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप में भिन्नता • वायुमण्डल का तापन एवं शीतलन • पृथ्वी का उष्मा बजट • तापमान एवं तापमान का व्युत्क्रमण • अभ्यास

भूगोल

माह	सप्ताह	पाठ	पाठ के उपखंड
अगस्त (24 दिन)	तीसरा (5 दिन)	अध्याय 9. वायुमण्डलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियॉ	• परिचय • वायुमंडलीय दाब • वायुदाब का उर्ध्वाधर एवं क्षैतिज वितरण • पवनों की दिशा एवं वेग को प्रभावित करने वाले बल • वायुमंडल का सामान्य परिसंचरण • वायुराशियॉ एवं वाताग्र • शीतोष्ण एवं उष्ण कटिबंधीय चक्रवात • अभ्यास
	चौथा (5 दिन)	अध्याय 10. वायुमण्डल में जल	• परिचय • वाष्पीकरण एवं संघनन • ओस, तुषार, कोहरा एवं कुहासा • बादल • वर्षा एवं वर्षा के प्रकार • संसार में वर्षा का वितरण • अभ्यास
	पांचवा (5 दिन)	प्रायोगिक कार्य– अध्याय 3. अक्षांश, देशांतर और समय	• परिचय • अक्षांश समांतर • देशांतर याम्योतर • देशांतर एवं समय • अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा • अभ्यास
सितम्बर (20 दिन)	पहला एवं दूसरा (5 दिन)	अध्याय 11. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन	• परिचय • कोपेन की जलवायु वर्गीकरण की पद्धति • जलवायु परिवर्तन • जलवायु परिवर्तन के कारण • अभ्यास
	तीसरा एवं चौथा (8 दिन)	अध्याय 12. महासागरीय जल	• परिचय • जलीय चक्र • महासागरीय अधस्तल का उच्चावच • महासागरीय जल का तापमान • महासागरीय जल की लवणता • अभ्यास
	चौथा एवं पांचवां (7 दिन)	अध्याय 13. महासागरीय जल संचलन	• परिचय • तरंगे • ज्वार भाटा, ज्वार भाटा के प्रकार एवं ज्वार भाटा का महत्व • महासागरीय धाराएं • महासागरीय धाराओं के प्रकार • महासागरीय धाराओं के प्रभाव • अभ्यास

भूगोल

माह	सप्ताह	पाठ	पाठ के उपखंड
अक्टूबर (21 दिन)	पहला एवं दूसरा (6 दिन)	अध्याय 14. जैव विविधता एवं संरक्षण	• परिचय • अनुवांशिक जैव विविधता, प्रजातीय जैव विविधता एवं परितंत्रीय जैव विविधता • जैव विविधता का महत्व • जैव विविधता का ह्रास • जैव विविधता का संरक्षण • अभ्यास
	तीसरा (6 दिन)	प्रायोगिक कार्य– अध्याय 4. मानचित्र प्रक्षेप	• परिचय • मानचित्र प्रक्षेप की आवश्यकता • मानचित्र प्रक्षेप के तत्व • मानचित्र प्रक्षेप का वर्गीकरण • कुछ चुने एवं मानचित्र प्रक्षेप • अभ्यास
	चौथा एवं पांचवां (9 दिन)	अध्याय 1. भारत– स्थिति	• परिचय • भारत का आकार • भारत एवं उसके पडोसी • अभ्यास
		अध्याय 2. संरचना तथा भू आकृति विज्ञान	• परिचय • भारत की भूवैज्ञानिक संरचना – प्रायद्वीपीय खण्ड, हिमालय और अन्य अतिरिक्त प्रायद्वीपीय पर्वतमालाएं • भारत की भूआकृति • उत्तर और उत्तर पूर्वी पर्वतमालाएं
नवम्बर (21 दिन)	पहला (1 दिन) एवं दूसरा (4 दिन)	अध्याय 2. संरचना तथा भू आकृति विज्ञान	• उत्तरी भारत का मैदान • प्रायद्वीपीय पठार • भारतीय मरूस्थल • तटीय मैदान एवं द्वीप समूह • अभ्यास
	तीसरा (5 दिन)	अध्याय 3. अपवाह	• परिचय • अपवाह तंत्र एवं मुख्य अपवाह प्रतिरूप • भारत के अपवाह तंत्र • हिमाालयी अपवाह तंत्र • प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र • अभ्यास
	चौथा (6 दिन)	अध्याय 4. जलवायु	• परिचय • मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता • भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक • भारतीय मानसून की प्रकृति • ऋतुओं की लय • भारत की परम्परागत ऋतुएं • वर्षा का वितरण • मानसून और भारत का आर्थिक जीवन • भूमण्डलीय तापन • अभ्यास

भूगोल

माह	सप्ताह	पाठ	पाठ के उपखंड
नवम्बर (21 दिन)	पांचवा (5 दिन)	अध्याय 5. प्राकृतिक वनस्पति	• परिचय • वनों के प्रकार • वन संरक्षण • वन्य प्राणी • भारत में वन्य प्राणी संरक्षण • जीव मण्डल निचय • अभ्यास
दिसम्बर (19 दिन)	पहला एवं दूसरा (6 दिन)	प्रायोगिक कार्य– अध्याय 5. स्थलाकृतिक मानचित्र	• परिचय • भारत एवं उसके पड़ोसी देशों की श्रृंखला • सम्मोच्च रेखा • स्थलाकृतिक मानचित्रों का निर्वचन • अभ्यास
	तीसरा (6 दिन)	अध्याय 6. प्राकृतिक संकट एवं आपदाएं	• परिचय • प्राकृतिक आपदाओं का वर्गीकरण • भारत में प्राकृतिक आपदाएं • आपदा प्रबंधन • निष्कर्ष • अभ्यास
	चौथा, पांचवां एवं छठवां (8 दिन)	प्रायोगिक कार्य– अध्याय 6. सुदूर संवेदन का परिचय	• सुदूर संवेदन का परिचय • सुदूर संवेदन की अवस्थाएं • संवेदक • उपग्रहों की विभेदन क्षमता • संवेदन विभेदन • ऑकड़ा उत्पाद • उपग्रहों से प्राप्तप्रतिबिम्बों का निर्वचन • प्रतिबिम्ब निर्वचन के तत्व • अभ्यास
जनवरी (20 दिन) फरवरी (20 दिन) मार्च (21 दिन) बोर्ड परीक्षा तक	पुनरावृत्ति एवं परीक्षा		
कुल कार्य दिवस – 224 दिन (अंदाजन)			